जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में दूसरे दिन हुए कई रोचक और उत्तेजक सत्र

जयपुर, (का.सं.)। दुनिया के सबसे बड़े साहित्यिक शो जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2024 के दूसरे दिन की शुरुआत होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में, 2 फरवरी की सर्द सुबह में कई रोचक और उत्तेजक सत्रों के साथ हुई। फेस्टिवल का दूसरा दिन राजनीति, जीवनीकार, संगीत, स्टाइल, अध्यात्म और रचनात्मकता के नाम रहा। दिन की शुरुआत फिल स्कार्फ के दिल छू लेने संगीत के साथ हुई। सेक्सोफोन पर जैज़ और पारंपरिक राग की जुगलबंदी प्रस्तुत की। उनका साथ दिया प्रियंक कृष्णा और अनूप बनर्जी ने।

मैं परंपरा का सामना करके लिखता हूं : हर्नान्ज डियाज

सत्र 'ट्रस्ट' में पुलित्ज़र पुरस्कार विजेता लेखक हर्नान डियाज़ ने अपने उपन्यास और लेखकीय सफ़र पर चर्चा की। उन्होंने कहा, ''मैं एक टेस्टीमोनियल लेखक नहीं हूं... मेरा लेखन मेरे निजी अनुभवों पर आधारित नहीं है। इसलिए पन्नों पर मुझे ढूंढना बेमानी है, लेकिन... मैं उस तरह का लेखक हूं जो सोचता है कि साहित्य अधिक साहित्य से बनता है, और मैं परंपरा का सामना करके लिखता हूं, उससे पीछे नहीं... मेरा ज्यादातर काम इन कठोर बातों से जुड़ा है और फिर उनमें किसी प्रकार का पुरातात्विक हस्तक्षेप उसे और प्रेरित करता है...

यशोधरा ऐसा किरदार है, जिस पर बार-बार लिखा जाना चाहिये : वेनेसा

सुबह के एक सत्र 'यशोधरा एंड वीमेन ऑफ़ द संघ' में श्याम सेल्वादुरै और वेनेसा आर. सेसों ने अपनी किताबों के माध्यम से इतिहास के सबसे अदृश्य व्यक्तित्व 'यशोधरा' पर चर्चा की। बुद्ध की ख्याति अंधेरे में खड़ी यशोधरा की नींव पर बनती है, वो युवा पत्नी जिसे महल में तन्हा छोड़ दिया गया था। यशोधरा पर बात करते हुए अकादमिक वेनेसा ने साझा किया कि उन्होंने काफी बौद्ध साहित्य पढ़ा है, और लगभग किसी में भी यशोधरा पर कुछ नहीं मिलता। जबकि ये एक ऐसा किरदार है, जिस पर बार-बार लिखा जाना चाहिए। ये कहानी एक जीवित कहानी है, जो 2000 साल के इतिहास में लगातार बदलती रही है।

श्याम सेल्वादुरै ने लेखन पर बात करते हुए कहा, लेखन शुरू करने से ज्यादा जरूरी होता है, उस पर टिके रहना। इसके लिए आपके कथ्य में रोचकता और जिज्ञासा होनी चाहिए। यशोधरा अपने आपमें सब कुछ हैं। सत्र संचालन किया लेखिका और कवयित्री अरुंधति सुब्रमनियम ने।

मैंने हमेशा लिखने का आनंद लिया है : मणिशंकर अय्यर

एक दिलचस्प सत्र, 'द मेमोइरिस्ट्स' में वक्ताओं, मणिशंकर अय्यर और गुरुचरण दास ने संस्मरण लिखने की प्रक्रिया से अवगत कराया। दास ने अपने लेखन का रहस्य बताते हुए कहा, ''मैं अपने बचपन के बारे में इतनी स्पष्टता से लिख पा रहा हूं, इसका कारण मेरी मां की डायरियां हैं।'' अय्यर ने उन क्षणों को याद किया जिनका उन्होंने लिखते समय वास्तव में आनंद लिया था, मैंने हमेशा लिखने का आनंद लिया है। मुझे कभी पता नहीं चला कि कैसे रुकना है।

'सामाजिक विकास और रोजगार में निजी क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान'

सत्र 'द एलिफेंट मूव्स: इंडिया'स न्यू प्लेस इन द वर्ल्ड' की शुरुआत अमिताभ कांत और अमित कपूर की नई किताब 'एलिफेंट मूव्स' के लोकार्पण से हुई, जिसका श्रोताओं ने जोरदार तालियों से स्वागत किया। सत्र में पिछले कुछ वर्षों में भारत द्वारा अपने तकनीकी बुनियादी ढांचे और बेहतर शासन संरचनाओं सहित की गई महान प्रगति पर प्रकाश डाला गया, हालांकि यह भी स्वीकार किया गया कि जब सामाजिक विकास और रोजगार की बात आती है तो इसमें निजी क्षेत्र का भी महत्वपूर्ण योगदान है। देश के लिए अपनी आकांक्षाओं में, अमिताभ कांत ने कहा, ''भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला का एक बहुत ही अभिन्न अंग बनने की आवश्यकता है।'' अमित कपूर ने दीर्घकालिक समाधान की आवश्यकता पर पैनल के विचारों का समर्थन करते हुए कहा, हममें से बहुत से लोग गलती करते हैं, जब हम विकास या प्रगति को सिर्फ एक रेस मान लेते हैं। यह कोई रेस नहीं बल्कि एक मैराथन है।

प्रशंसक गुलज़ार साहब की एक झलक देखने को बेताब थे

'गुलज़ार साहब' सत्र में यतीन्द्र मिश्र की नई किताब के माध्यम से गुलज़ार साहब के जीवन और समय पर चर्चा हुई। यह किताब पिछले दो दशकों में गुलज़ार साहब और यतीन्द्र मिश्र के संवाद पर आधारित है। इसका अंग्रेजी अनुवाद किया है सत्या सरन ने। गुलज़ार साहब के प्रशंसकों से वेन्यु ठसाठस था, जो गुलज़ार साहब की एक झलक देखने को बेताब थे। गुलज़ार साहब ने भी उन्हें निराश न करते हुए, उनसे दिल खोलकर बात की।

एक अन्य सत्र 'ट्वेल्व सीजर' में, लोकप्रिय क्लासिकवादी मैरी बियर्ड ने रोमन साम्राज्य के बारे में बात की और हाल के दिनों में व्हाट्स योर रोमन एम्पायर? जैसे टिकटॉक ट्रेंड्स के साथ ये फिर से चर्चा में कैसे आ गया है। बियर्ड ने अपनी रोचक किताब, 'ट्वेल्व सीज़र्स' के बारे में बात की। ऐतिहासिक किरदारों को चित्रित करने की प्रक्रिया पर उन्होंने कहा, ''यह चित्रण का मुद्दा है... यह शासक को देखने का एक तरीका है, यह पूरी तरह से इस पर निर्भर नहीं है कि शासक दिखने में कैसा है।'' उनके साथ सत्र में थे इतिहासकार पीटर फ्रैंकोपैन।

'लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है, जब उसका आधार सच्चाई पर टिका होता है'

'आइडेंटिटी ट्रैप' सत्र में लेखक यस्चा मोंक, बद्री नारायण और पत्रकार श्रीनिवासन जैन ने पत्रकार प्रज्ञा तिवारी के साथ संवाद में आज के राजनीतिक क्षेत्र में पहचान, विचारों और व्यक्तिवाद की अंतर्निहित प्रकृति पर चर्चा की। यस्चा मोंक ने जर्मनी में बिताए बचपन, श्वेत विशेषाधिकार, नस्ल अंतर और पश्चिम में नस्ल प्रोत्साहन पर अपना अनुभव साझा किया। पत्रकार श्रीनिवासन जैन ने एक लेखक के रूप में अपने अनुभव और अपनी नई किताब, 'लव जिहाद एंड अदर फिक्शन्स' पर बात की। यह किताब गलत सूचना और अल्पसंख्यकों के खिलाफ साजिश के सिद्धांतों से उत्पन्न भारत की उभरती दरारों का एक विस्तृत विवरण है। उन्होंने कहा, ''...लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब उसका आधार साझा तथ्यों और साझा सच्चाइयों पर टिका होता है।'' कवि और शिक्षाविद बद्री नारायण ने कहा कि दलितों की क्षमता को सही तरह से काम में लाया जाना चाहिए। उन्होंने भारत में सामाजिक द्वंद्वों पर काम करने वाले उच्च जाति के लेखक के रूप में आने वाली चुनौतियों पर भी बात की।

मुझे लगता है कि मैं इतिहास के दुष्टों को पसंद करता हूं : मैकिनटायर

बेस्टसेलिंग इतिहासकार बेन मैकिनटायर की नई नॉन फिक्शन किताब, 'कोल्डिट्ज़: प्रिज़नर्स ऑफ़ द कैसल', इतिहास की सबसे कुख्यात जेल की सच्ची कहानी है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मित्र देशों के अधिकारियों के लिए युद्ध शिविर की जेल के रूप में कोल्डिट्ज़ को इस्तेमाल किया गया, जहाँ से उन्होंने बार-बार भागने का प्रयास किया था। बेन मैकिनटायर ने सत्र की शुरुआत यह कहकर की, ''...कोल्डिट्ज़ की वास्तविक कहानी वर्ग, नस्ल, कामुकता, मानसिक स्वास्थ्य और कई अन्य चीजों की कहानी है। सत्र में, मैकिनटायर ने सम्मान के विषय पर प्रकाश डाला जो कहानी में प्रदर्शित किया गया था क्योंकि कोल्डिट्ज़ के जर्मन अधिकारियों ने भी जिनेवा कन्वेंशन के नियमों का सम्मान किया था, यह स्वीकार करते हुए कि कैदियों के पास कुछ अधिकार थे।'' मैकिनटायर, जो ज्यादातर युद्ध और जासूसी की भूमिका के बारे में लिखते हैं, ने यह कहकर सत्र समाप्त किया, ''मुझे लगता है कि मैं इतिहास के महान पुरुषों या इतिहास के पुरुषों और महिलाओं के बजाय दुष्टों को पसंद करता हूं।''

स्कूली स्टूडेंट्स का आर्ट इंस्टॉलेशन्स बना आकर्षण का केंद्र

जयपुर, (का.सं.)। होटल क्लार्क्स आमेर में चल रहे जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के 17वें संस्करण में, स्कूल के स्टूडेंट्स द्वारा तैयार आर्ट इंस्टॉलेशन्स आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। जिसका उदेश्य समाज में एक नया दृष्टिकोण और बदलाव की लहर लाना है। यह आर्ट इंस्टॉलेशन्स जयपुर के जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल के स्टूडेंट्स द्वारा तैयार किए गए हैं।

पहला आर्ट इंस्टॉलेशन, जिसे पर्सपेक्टिव नाम दिया गया है, दर्शाता है कि कैसे हर किसी की अपनी यात्रा होती है और इसे सामाजिक मानदंडों द्वारा सीमित नहीं किया जा सकता है। पेड़ की शाखाओं और कार्डबोर्ड जैसे वेस्ट मटेरियल से बना यह इंस्टॉलेशन जीवंत और रंगीन तितलियों को प्रदर्शित करता है। इस इंस्टालेशन की क्यूरेटर कक्षा 12वीं की श्रेया माहेश्वरी और कक्षा 11वीं की आशिका गुप्ता ने कहा कि कलाकृति के माध्यम से, वे यह दर्शाना चाहते थे कि सामाजिक सीमाओं और सामाजिक अपेक्षाओं के बावजूद, हर कोई अलग है और तितलियों की तरह ही अपना जीवन जीने के लिए अपना रास्ता स्वयं तय करते हैं।

जेपीआईएस स्टूडेंट्स द्वारा डिस्मेंटल्ड इमोशन्स नामक एक अन्य इंस्टॉलेशन वर्तमान समय में टीनएजर्स की दशा को जटिल रूप से दर्शाता है, कि किस प्रकार से अकेलेपन, अवसाद जैसे भावनात्मक असंतुलन उन्हें प्रभावित करते हैं। रीसाईकिल्ड फाइबर, क्ले, रेजिन, मेटल रॉड जैसी सामग्रियों से बना इन्सटॉलेशन, विभिन्न रंगों में शरीर के विभिन्न अंगों को प्रदर्शित करता है, जो उनकी अनगिनत भावनाओं को दर्शाती है।

जयपुर जिला कांग्रेस की बैठक में भिड़े नेता और पदाधिकारी

- नई कार्यकारिणी में काम करने वालों को नहीं दी जगह, तिवारी के जयचंदों वाले बयान का भी विरोध
- पहले जयपुर में महेश जोशी और खाचरियावास का खेमा था, अब नए जिला अध्यक्ष ने नया खेमा तैयार किया
- ऐसे में लोकसभा चुनाव से पहले जयपुर में कई विवाद उभरने तय हैं

जयपुर, (का.प्र.)। लोकसभा चुनावों में उम्मीदवारों को लेकर रायशुमारी के लिए बुलाई गई जयपुर शहर कांग्रेस की बैठक में नई कार्यकारिणी को लेकर जोरदार हंगामा हो गया। हंगामा करने वाले नेता हाल ही घोषित जयपुर जिला कार्यकारिणी को लेकर नाराज थे, वहीं कई नेताओं ने 26 जनवरी को दिए गए जिलाध्यक्ष आर.आर. तिवारी के जयचंद वाले बयान पर भी नाराजगी जताई है।

जयपुर लोकसभा में उम्मीदवार के लिए रायशुमारी तय करने के लिए पर्यवेक्षक बनाई गई पूर्व मंत्री ममता भूपेश और जयपुर जिलाध्यक्ष आर.आर. तिवारी ने शहर कांग्रेस के कार्यालय में लोकसभा चुनावों में उम्मीदवारों पर रायशुमारी को लेकर बैठक बुलाई गई थी। रायशुमारी के लिए नेताओं को बाहर बैठाया गया था और एक-एक कर नेता अंदर जाकर अपनी राय रख रहे थे। इसी दौरान बगरू विधानसभा क्षेत्र से दावेदारी जाता चुके जयपुर नगर निगम के पूर्व पार्षद महेश कराड़िया ने हंगामा शुरू कर दिया। कराड़िया ने आरोप लगाया कि अभी जो जयपुर शहर जिला कांग्रेस की कार्यकारिणी बनाई गई है, उसमें संगठन के लिए काम करने वालों को स्थान नहीं दिया गया है। इसी के साथ कराड़िया ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष तिवारी की ओर से जयचंद संबोधित करके दिए गए भाषण पर भी ऐतराज जताया।

हंगामा करने वाले महेश कराड़िया ने कहा कि आपने ऐसे ऐसे लोगों को पदाधिकारी बना दिया जिन्होंने काम ही नहीं किया, काम करने वालों को जगह नहीं दी, उन्हें छोड़ दिया। कराड़िया ने आरोप लगाया कि जो संगठन में काम करने वाले है, उन काम करने वालों के बारे में आप सोचते ही नहीं हैं। इस तरह पद देने से आप कैसे चुनाव जीतोगे? आपने हारने का तो पहले ही इंतजाम कर लिया।

महेश कराड़िया जब जोर जोर से बोल रहे थे, उस दौरान जयपुर कांग्रेस के पदाधिकारियों ने शांत कराने की कोशिश की और कहा कि आप सीनियर नेता हो, इस तरह सार्वजनिक रूप से बोलना ठीक नहीं है। अंदर जाकर बात रखिए, लेकिन कराड़िया नहीं माने। कराड़िया शांत करवाने वाले नेताओं से भी उलझ गए और कहा कि 30 साल से पार्टी के लिए काम कर रहा हूं। इस पर दूसरे पदाधिकारियों ने भी कहा कि हम 50 साल से काम कर रहे हैं, आप इस तरह अपनी ही पार्टी का नुकसान कर रहे हो। आप अपनी और पार्टी की गरिमा खराब कर रहे हो। काफी देर तक नेताओं के बीच नोकझोंक चलती रही।

दरअसल यह हंगामा जयपुर शहर कांग्रेस की गुटबाजी का ही नतीजा है पहले जयपुर शहर में दो पूर्व मंत्रियों महेश जोशी और प्रताप सिंह खाचरियावास के बीच खेमेबाजी स्पष्ट नजर आती थी। अब जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष बनाए गए आरआर तिवारी का नया खेमा बन गया है। हाल ही जो जिला कार्यकारिणी बनी है, उसमें भी पूर्व मंत्रियों के अधिकांश समर्थकों को बाहर कर दिया गया है और तिवारी ने अपने समर्थकों को कार्यकारिणी में पूरी तवज्जो दी है। यह खेमेबाजी उसे दिन और ज्यादा बढ़ गई थी जब गणतंत्र दिवस के मौके पर महेश जोशी, विधायक रफीक खान और अमीन खान सहित अन्य नेताओं की मौजूदगी में तिवारी ने चुनाव हारने वालों को जयचंद कहकर इनसे बचने की सलाह दी थी।

'किसान के बेटे ने सदन में विपक्ष के छक्के छुड़ाएं'

जयपुर। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक जितेंद्र गोठवाल ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा भगवान और सनातन में विश्वास करने वाली पार्टी है। जबकि कांग्रेस ने तो भगवान श्री राम तक को काल्पनिक बताया था। कांग्रेस के आला पदाधिकारी राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अशोक गहलोत तक ने राम सेतु को लेकर सवाल उठाए। वहीं राम को काल्पनिक बताने वाले कांग्रेसी नेताओं को आलाकमान से राम के पक्ष में बोलने तक के लिए मना किया जा रहा है।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा सहित तमाम कांग्रेसी नेता राम को नकार रहे हैं। जबकि साफ है कि संपूर्ण सृष्टि भगवान से चल रही है। उस पर भाजपा क्या, सबका विश्वास टिका हुआ है। भाजपा ने प्रभु श्री राम को स्वीकार किया और कांग्रेस ने सिरे से नकार दिया।

गोठवाल ने कहा कि एक किसान का बेटा गांव से चलकर पहली बार विधायक बना और प्रदेश के मुखिया के तौर पर कमान संभालते हुए सदन में विपक्ष के छक्के छुड़ा दिए। इससे कांग्रेस की पीड़ा सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि सीएम ने एक के बाद एक वादों को पूरा करना शुरू कर दिया। सरकार बनने के साथ ही जनता से किए वादों पर अमल किया और जन हितैषी कार्य लागू कर दिए। फिर चाहे 450 रूपए में रसोई गैस सिलेंडर योजना हो, पेपर लीक में मामले में एसआईटी का गठन हो या फिर कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव से पूर्व 6 माह में किए गए कार्यों की समीक्षा के लिए कमेटी बनाने का मामला हो।

पिछले 10 वर्षों में भारत ने लाल चौक से लेकर चंद्रमा तक तिरंगा फहराया : बोहरा

जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने शुक्रवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में भाग लिया।

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने शुक्रवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में भाग लिया। सांसद बोहरा ने बताया कि किस तरह से मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में भारत का सर्वांगीण विकास हुआ है। मोदी की नजर में केवल चार ही जातियां हैं गरीब, किसान, युवा और महिला इन सभी जातियों के उत्थान का कार्य मोदी सरकार के कार्यालय में हुआ है। पिछले 10 वर्षों में भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाल चौक से लेकर चंद्रमा तक तिरंगा फहराया है।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार हर युवा, महिला, किसान एवं गरीब के घर तक पहुंची है। आयुष्मान भारत योजना से पूरे भारतवर्ष में लोगों को फ्री इलाज मिल रहा है। किसान सम्मान निधि से किसानों को वास्तव में सम्मान मिला है। अब तक 2 लाख 80 हज़ार करोड़ रुपए की राशि किसानों के खाते में पहुंची है। प्रधानमंत्री आवास योजना से 4 करोड़ 10 लाख गरीब परिवारों को पक्के मकान मिले हैं, देश में 10 करोड़ मुफ्त उज्जवला गैस कनेक्शन दिए गए हैं, 11 करोड़ शौचालय का निर्माण हुआ है, लगभग 11 करोड़ गरीब परिवारों के घर में नल से शुद्ध जल पहुंचा है। देश के युवा रोजगार लेने वाले नहीं रोजगार देने वाले बने हैं।

श्वेत कुष्ठ रोग में आयुर्वेद की महती उपयोगिता : आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार/जयपुर, (का.सं.)। पतंजलि मेलानोग्रिट दवा का अनुसंधान दुनिया के प्रतिष्ठित रिसर्च जर्नल बायोसाइंस रिपोर्ट्स के कवर पेज पर प्रकाशित यह रिसर्च जर्नल 100 वर्षों से भी अधिक स्थापित बायोकेमिकल सोसयटी, यू.के. के अंतर्गत आता है, जो कि जैव विज्ञान तकनीकों को आगे बढ़ाने तथा सरकारी नीतियों से लेकर अकादमिक व्यवस्थाओं को बढ़ावा देने में वैश्विक सकारात्मक भूमिका निभाती है।

पतंजलि योगपीठ से आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आयुर्वेद में त्वचा के सफ़ेद दाग के लिए पहली बार इतना गहन अनुसन्धान हुआ है, और इसका श्रेय पतंजलि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों को जाता है। इस अध्ययन में मेलानोग्रिट की चिकित्सकीय क्षमता का आकलन किया गया और पाया कि मेलानोग्रिट त्वचा में सफेद दागों के फैलाव को बेअसर करता है, साथ ही 1610 कोशिकाएं, जो त्वचा में मेलेनिन का उत्पादन करती हैं, उनमें मेलेनिन की सतत वृद्धि करता है।

विज्ञान की भाषा में कहे तो मेलानोग्रिट, मेलानोजेनेसिस प्रक्रिया के निर्णायक जीन और 1 की ट्रांसक्रिप्शनल रूप से वृद्धि करता है; जो कि बढ़ी हुई गतिविधि द्वारा प्रतिबिंबित भी होता है। इन निष्कर्षों से यह पता चला है कि मेलानोग्रिट को कम कर के प्रोटीन स्तर (ट्रांसलेशनल लेवल) को भी बढ़ाता है।

बेढम की मेघवाल से मुलाकात

जयपुर। गृह, गोपालन, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से शिष्टाचार भेंट की।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने शुक्रवार को यहां जयपुर स्थित अरण्य भवन में वन विभाग के उच्च अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली, बैठक में उन्होंने ज़िला स्तर के अधिकारियों से वन विभाग द्वारा कराये जा रहे विभिन्न कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी ली।

निर्माण कार्य ऐसे हों जिससे प्राकृतिक संतुलन भी बना रहे : जहीर

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर एग्जीबिशन एण्ड कन्वेंशन सेन्टर (जेईसीसी) सीतापुरा में चल रहे इण्डिया स्टोनमार्ट-2024 के 12वें संस्करण के दूसरे दिन शुक्रवार को बायर्स और सेलर्स के बीच जहां चर्चा के दौर चले वहीं आज इस आयोजन में जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल (जेएएफ) के 5वें संस्करण का भी शुभारंभ हुआ। जिसमें बांग्लादेश के प्रमुख आर्किटेक्ट एमडी इस्तिहाक जहीर प्रमुख वक्ता रहे।

ज़हीर ने कहा, ''हमें अपने प्रोजेक्ट्स में प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन को इस तरह से सुविधाजनक बनाना चाहिए जो शहरी पारिस्थितिकी तंत्र और पर्यावरण की रक्षा और सुधार करे, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और वायु प्रदूषण को कम करे और पारिस्थितिकी तंत्र आधारित समाधानों को बढ़ावा दे।'' उन्होंने अपने गुरु मुज़हरुल इस्लाम के उद्धरण को भी उद्धृत किया कि 'एक वैश्विक आदमी और एक स्थानीय वास्तुकार बनें'। उन्होंने बांग्लादेश में प्रकृति के अनुरूप बनाई गई विभिन्न परियोजनाओं की तस्वीरें भी दिखाईं। इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्चर (जेएएफ) राजस्थान चैप्टर के उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष तुषार सोगानी ने कहा कि राजस्थान पत्थरों की भूमि है साथ ही उन्होंने टिकाऊ पत्थरों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

राजस्थान के पत्थर कारीगरों ने शिल्पग्राम में अपनी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया है, जिन्हें देखने काफी दर्शकों का जमावड़ा लगा रहा।

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सूचना यह कि मेरे अभिभाष्यगण, नेलसन फिलिप एवं श्रीमती वेरोनिका नेलसन निवासी 15, सुशीलपुरा, श्यामनगर सैकिण्ड जयपुर की पुत्री शाईन नेलसन उर्फ शालू उसके कहे में नहीं है तथा मेरे अभिभाष्यगण के साथ उचित व्यवहार नहीं करती है मेरे अभिभाष्यगण अपनी पुत्री को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है, भविष्य में यदि कोई व्यक्ति, संस्था आदि शाईन नेलसन से किसी प्रकार का कोई संव्यवहार करते है तो उसकी जिम्मेदारी शाईन नेलसन की होगी, सूचित रहे।
(श्याम सिंह नाथावत) एडवोकेट
दिनांक-02.02.2024 मो.नं. 9929992108

आम सूचना हर आम खास को सूचित किया जाता है कि प्लाट नम्बर 132, आदिनाथ नगर, सिरसी रोड, जयपुर कुल क्षेत्रफल 208.50 वर्गगज को मेरी अभिभाष्या विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा निर्मल सिंह दुधेडिया पुत्र श्री आर.सी. दुधेडिया से क्रय करने का इकरारनामा निष्पादित कर चुकी है। उक्त सम्पत्ति को मेरी अभिभाष्या के द्वारा क्रय करने के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, वित्तीय संस्थान, बैंक आदि को किसी प्रकार की कोई उज्र आपत्ति है तो आगामी 4 दिवस में मय दस्तावेजात उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दर्ज करावें, उसके पश्चात आपत्ति मान्य नहीं होगी। अतः सूचित रहे।
जयपुर (सुमित शर्मा) एडवोकेट
दिनांक- 02.02.2024 मो.-9414242943

आम सूचना हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण हिमांगिनी राठौड़ पुत्री श्री चन्द्र शेखर राठौड़ एवं अनुसुईया राठौड़ पत्नी श्री चन्द्र शेखर राठौड़ निवासीगण-499, नेमी सागर कॉलोनी, विंग्स रोड, वैशाली नगर, जयपुर की सामलाती एवं एच्यूएफ की सम्पत्तियां है जिनका विवरण निम्न प्रकार से है- 1. प्लाट संख्या 74-ए, स्कीम महादेव नगर, गांधीपथ, वैशाली नगर, जयपुर, 2. अमारा केडिया यूनिट नम्बर 57 जिसका कारपेट ऐरिया 108.29 वर्गमीटर है जो कि ग्राम कनकपुरा सिरसी रोड, जयपुर पर स्थित है।, 3. केडिया अनन्त विला एस-18, जिसका कारपेट ऐरिया 59.97 वर्गमीटर है एवं विला एल-19 कॉरपेट ऐरिया 59.97 वर्गमीटर है तथा उपरोक्त वर्णित सम्पत्तियां एवं अचल सम्पत्तियां जो कि चन्द्रशेखर राठौड़ ने जरिये एचयूएफ क्रय की गयी सम्पत्तियां है मेरी अभिभाष्यगण के एकमात्र उत्तराधिकारी है एवं उक्त एचयूएफ के सहदायी है। अभी वर्तमान में मेरे अभिभाष्यगण के पिता एवं पति वृद्धावस्था के कारण उनकी मानसिक एवं शारीरिक स्थिति ठीक नहीं है। इसलिये मेरी अभिभाष्यगण की बिना भौतिक उपस्थिति के एवं बिना उनकी सहमति के कोई भी लिखावट या करार मान्य नहीं होगा। अगर किसी दीगर व्यक्ति, बैंक, संस्था, कम्पनी आदि के द्वारा उक्त सम्पत्ति को क्रय करने लीज पर देने, लीज राशि प्राप्त करने, मोरगेज आदि सम्बन्धी कार्यवाही की जाती है तो इस प्रकार की कार्यवाही निष्प्रभावी, शून्य मानी जावेगी।
जयपुर (कमलकान्त शर्मा) एडवोकेट
दिनांक-1.2.2024 मो. 9929530529

आम सूचना मेरी अभिभाष्या श्रीमती शमशाद कुरैशी पत्नि स्व. मोईनुद्दीन कुरैशी निवासी वार्ड नं. 18 कुरैशी मौहल्ला फुलेरा जिला जयपुर ग्रामीण राज. की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या की पुत्री अनम कुरैशी पुत्री स्व. मोईनुद्दीन कुरैशी ने मेरी अभिभाष्या की इच्छा के विरूद्ध किसी अन्य जाति के लडके से विवाह कर लिया है। तथा मेरी अभिभाष्या की इज्जत को क्षति पहुंचायी है तथा समाज में मेरी अभिभाष्या को नीचे देखना पडा है। इसलिए मेरी अभिभाष्या अपनी पुत्री अनम कुरैशी को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करती है। आज के बाद अनम कुरैशी का मेरी अभिभाष्या की समस्त चल अचल सम्पत्ति से किसी प्रकार का कोई संबंध व सरोकार नहीं रहेगा। कोई भी व्यक्ति/संस्था यदि मेरी अभिभाष्या की पुत्री अनम कुरैशी से संव्यवहार/लेनदेन आदि करता है या कोई सम्बन्ध बनाता है तो वह उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। मेरी अभिभाष्या की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे।
दिनांक-2.2.2024 शमीमुल हक, एडवोकेट मो. 9828297846 साभरलेक जिला जयपुर ग्रामीण

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण (1) श्री कैलाश पुत्र सूजाराम, (2) दिनेश पुत्र रामफूल, (3) नीतू पुत्री रामफूल, (4) फैलीराम पुत्र बाबुलाल, (5) भौरी देवी पत्नी रामफूल, (6) मीठालाल पुत्र बाबुलाल, (7) श्रीमती मोती देवी पत्नी बाबुलाल समस्त जाति मीणा, समस्त निवासीगण ग्राम सिन्दौली फाल्यावास, तहसील बस्सी जिला जयपुर (राज.) की स्वयं की खातेदारी की कृषि भूमि जिसका खसरा नम्बर 112/364 रकबा 0.7713 हैक्टयर किस्म बंजड / बारानी स्थित ग्राम सिन्दौली पटवार हल्का सिन्दौली भूअभिलेख निरीक्षक क्षेत्र फाल्यावास तहसील बस्सी जिला जयपुर (राज.) को विक्रय के लिये इकरारनामा रामसिह मीणा को दिनांक 21-10-2023 को किया है जिसकी 90 दिवस पूर्ण होने पर भी शेष विक्रय मूल्य की राशि का भुगतान कर विक्रय पत्र पंजीबद्ध नहीं करवाया है। इसलिये मेरे अभिभाष्यगण के साथ किया गया इकरारनामा दिनांक 21-10-2023 को निरस्त कर दिया है जिसकी सूचना जरिये नोटिस मेरे अभिभाष्यगण द्वारा रामसिह मीणा को दे दी गयी। सर्वसाधारण को इकरारनामा दिनाक 21-10-2023 के निरस्त करने बाबत सूचित किया जाता है। दिनांक: 31.01.2024 भवदीय
हनुमान सहाय (एडवोकेट)9829721210

NAME CHANGE
I have changed my name Shiv Prakash S/o Rajnarain to Shiv Prakash Mathur S/o Rajnarain Mathur for all purpose in future. R/o D-280 Jagdamba Nagar Ajmer Road Jaipur- 302024

I have changed my name from Rakesh Kumar Inderchand Agarwal to Rakesh Kumar Agarwal for all purpose. R/o 4/8 khandelwal tower sector- 1 vidhyadhar nagar jaipur. (Raj)

I/We have changed our son name from Pranay Rakesh Kumar Agarwal to Pranay Agarwal S/o Rakesh Kumar Agarwal for all purpose. R/o 4/8 khandelwal tower sector-1 vidhyadhar nagar jaipur. (Raj)

I SMT Munni Devi Alias SMT Munni Devi Goyal W/o Ramesh Chand R/o Sewar Road, Gandhi Nagar, Bharatpur, Bharatpur, Rajasthan-321001, have changed my name to Shyamvati

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 15/24
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम संगीता गोयल पत्नि स्व. श्री विकास गोयल जाति गोयल (गुप्ता) महाजन विवाद स्थान प्लाट नं. 106/165 मानसरोवर विजय पथ बामण की थड़ी, जयपुर
मृतक 106/165 विजय पथ मानसरोवर की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 28.02.2024
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व. विकास गोयल पुत्र स्व. श्री रामकिशोर गोयल जाति महाजन निवासी 106/165 मानसरोवर हाल नि. प्लाट नं. 58-ए, गिर्राज नगर इस्कीन रोड, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 28 माह 02 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक .... माह .... सन् .... को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर अदालत
शरिस्तेदार-अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 10 जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय, सांगानेर

उत्तर पश्चिम रेलवे ठेकों के लिए ई-ऑक्शन सूचना
संख्या:सी-481/1/पर्किंग/ई-ऑक्शन/2024 दिनांक:01.02.2024

1	कार्य का नाम	जयपुर मण्डल के विभिन्न श्रेणी के रेलवे स्टोशनों पर पार्किंग, एसएलआर लीज़िंग, विज्ञापन, पे एंड यूज, एटीएम के ठेकों हेतु ई-ऑक्शन।
2	कार्य की अवधि	1. एटीएम - 05 वर्ष 2. पार्किंग - 03 वर्ष 3. विज्ञापन - 03 वर्ष 4. एसएलआर लीज़िंग - 02 वर्ष 5. पे एंड यूज़ - 03 वर्ष 6. मिसलेनियस - 03 वर्ष
3	लॉट के ई-ऑक्शन प्रारम्भ की तिथि एवं समय	1. PKG 29 दिनांक 12.02.2024 को 11:15 बजे। 2. SLR 39 दिनांक 12.02.2024 को 11:15 बजे। 3. PnU 23 दिनांक 12.02.2024 को 11:15 बजे। 4. ATM 10 दिनांक 16.02.2024 को 11:15 बजे। 5. ADVT 35 दिनांक 16.02.2024 को 11:15 बजे। 6. MSS 02 दिनांक 16.02.2024 को 11:15 बजे।
4	वेबसाईट जहाँ से लॉट वाइज़ ई-ऑक्शन के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।	www.ireps.gov.in

149-AK/24
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें